कक्षा 12 · राजनीति विज्ञान · हिंदी माध्यम
समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय 1 : दो ध्रुवीयता का अंत

प्रश्न-उत्तर एवं वस्तुनिष्ठ अभ्यास · 55 प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. दो ध्रुवीयता क्या है?

उत्तर: जब विश्व राजनीति में दो प्रमुख शक्तियाँ या उनके गुट प्रभावशाली हों, तो उसे दो ध्रुवीयता कहते हैं। शीतयुद्ध के समय अमेरिका और सोवियत संघ अलग राजनीतिक तथा आर्थिक व्यवस्थाओं वाले प्रतिद्वंद्वी गुटों का नेतृत्व करते थे।

प्रश्न 2. सोवियत व्यवस्था क्या थी?

उत्तर: इसमें साम्यवादी दल का शासन और केंद्रीय नियोजन पर आधारित अर्थव्यवस्था थी। प्रमुख उद्योगों पर राज्य का नियंत्रण था। शिक्षा तथा स्वास्थ्य जैसी सुविधाएँ दी जाती थीं, पर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा सीमित थी और सत्ता अत्यधिक केंद्रीकृत हो गई थी।

प्रश्न 3. सोवियत संघ की दो उपलब्धियाँ लिखिए।

उत्तर: उसने मजबूत औद्योगिक आधार तथा उन्नत वैज्ञानिक और रक्षा क्षमताएँ विकसित कीं। बड़ी आबादी को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार संबंधी सहायता मिली, हालाँकि सुविधाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता हर जगह समान नहीं थी।

प्रश्न 4. सोवियत अर्थव्यवस्था कमजोर क्यों हुई?

उत्तर: अत्यधिक रक्षा व्यय, अनेक नागरिक क्षेत्रों में तकनीकी पिछड़ापन तथा अकुशल नियोजन से विकास धीमा हुआ। उपभोक्ता वस्तुओं की कमी और लोगों की बढ़ती अपेक्षाओं ने आर्थिक समस्याएँ बढ़ाईं।

प्रश्न 5. मिखाइल गोर्बाचेव कौन थे?

उत्तर: गोर्बाचेव 1985 में सोवियत संघ के नेता बने। उन्होंने अर्थव्यवस्था सुधारने और सार्वजनिक जीवन में खुलापन लाने के लिए सुधार शुरू किए। इनसे व्यवस्था की गहरी कमजोरियाँ भी सामने आईं।

प्रश्न 6. ग्लासनोस्त और पेरेस्त्रोइका में अंतर लिखिए।

उत्तर: ग्लासनोस्त का अर्थ अधिक खुलापन, चर्चा और पारदर्शिता था। पेरेस्त्रोइका का अर्थ आर्थिक तथा राजनीतिक ढाँचे का पुनर्गठन था। दोनों सुधारों का उद्देश्य व्यवस्था सुधारना था, पर उत्पन्न दबावों पर नेतृत्व नियंत्रण नहीं रख सका।

प्रश्न 7. बर्लिन की दीवार गिरने का क्या महत्त्व था?

उत्तरः नवंबर 1989 में दीवार गिरना पूर्वी यूरोप में साम्यवादी शासन के कमजोर होने तथा शीतयुद्ध के विभाजन के घटने का प्रतीक था। इसके बाद 1990 में जर्मनी का पुनः एकीकरण हुआ।

प्रश्न 8. शॉक थेरेपी क्या थी?

उत्तरः पूर्व साम्यवादी देशों में समाजवादी अर्थव्यवस्था से बाजार अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से बदलाव को शॉक थेरेपी कहा गया। इसमें निजीकरण, व्यापार में खुलापन तथा राज्य नियंत्रण में कमी शामिल थी। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं का प्रभाव भी रहा।

प्रश्न 9. स्वतंत्र राज्यों का राष्ट्रकुल क्या है?

उत्तरः सोवियत संघ के विघटन के बाद कई पूर्व सोवियत गणराज्यों ने 1991 में स्वतंत्र राज्यों का राष्ट्रकुल अर्थात CIS बनाया। यह सहयोग का मंच था; सभी सदस्य मिलकर पुराने सोवियत संघ जैसा एक देश नहीं बन गए थे।

प्रश्न 10. भारत-रूस संबंध महत्त्वपूर्ण क्यों हैं?

उत्तरः दोनों देशों में रक्षा, ऊर्जा, विज्ञान तथा कूटनीति के क्षेत्रों में सहयोग है। रूस ने सोवियत काल के कई संबंधों को आगे बढ़ाया। भारत अन्य शक्तियों से संबंध बढ़ाते हुए भी रूस के साथ सहयोग बनाए रखता है।

प्रश्न 11. सोवियत विघटन में राष्ट्रीय पहचान महत्त्वपूर्ण क्यों बनी?

उत्तरः गणराज्यों की अलग भाषाएँ, इतिहास और राजनीतिक आकांक्षाएँ थीं। केंद्रीय सत्ता कमजोर होने पर स्थानीय समूहों ने संसाधनों और संस्थाओं पर अधिक अधिकार माँगा। राष्ट्रीय पहचान स्वायत्तता या स्वतंत्रता की माँग का आधार बनी।

प्रश्न 12. सोवियत विघटन के बाद नए देशों को कौन-सी कठिनाइयाँ हुईं?

उत्तरः कई देशों में आर्थिक गिरावट, कमजोर संस्थाएँ और क्षेत्रीय या पहचान संबंधी विवाद पैदा हुए। काकेशस तथा मध्य एशिया के कुछ हिस्सों में संघर्ष हुए। सभी देशों के अनुभव समान नहीं थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. सोवियत संघ के विघटन के प्रमुख कारण समझाइए।

उत्तर:

1. आर्थिक ठहराव, उपभोक्ता वस्तुओं की कमी और तकनीकी पिछड़ेपन ने व्यवस्था पर भरोसा घटाया।
2. रक्षा व्यय तथा सहयोगी देशों की सहायता पर भारी खर्च से घरेलू कल्याण के लिए संसाधन कम पड़े।
3. एकदलीय शासन, नौकरशाही के विशेषाधिकार तथा राजनीतिक स्वतंत्रता की कमी से असंतोष बढ़ा।
4. गोर्बाचेव के सुधारों ने आलोचना का अवसर दिया, लेकिन जल्दी आर्थिक सुधार नहीं हुआ। रूढ़िवादी और सुधारवादी दोनों पक्ष असंतुष्ट हुए।
5. गणराज्यों में राष्ट्रवादी माँगें बढ़ीं। अगस्त 1991 का असफल तख्तापलट केंद्रीय सत्ता को और कमजोर कर गया तथा दिसंबर 1991 में संघ टूट गया।

प्रश्न 2. दो ध्रुवीयता समाप्त होने के परिणाम लिखिए।

उत्तर:

1. दो महाशक्तियों के गुटों के बीच मुख्य वैचारिक तथा सैन्य प्रतिस्पर्धा समाप्त हुई।
2. तत्काल बाद के दौर में अमेरिका सबसे प्रभावशाली शक्ति बनकर उभरा।
3. सोवियत विघटन से कई स्वतंत्र देश बने और क्षेत्रीय संबंध बदल गए।
4. बाजार आधारित नीतियों और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं का प्रभाव बढ़ा।
5. पूर्व सोवियत क्षेत्र में आर्थिक कठिनाइयाँ और नए संघर्ष पैदा हुए। भारत जैसे देशों को पुराने सहयोग बनाए रखते हुए विदेश संबंधों में बदलाव करना पड़ा।

प्रश्न 3. शॉक थेरेपी के प्रभावों का मूल्यांकन कीजिए।

उत्तर:

1. सरकारी उद्योग तेजी से बेचे गए; कई संपत्तियाँ कम कीमत पर कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित हुईं।
2. कई देशों में औद्योगिक उत्पादन गिरा तथा महँगाई और मुद्रा अस्थिरता से बचत को नुकसान हुआ।
3. रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा कमजोर होने से गरीबी और असमानता बढ़ीं।
4. पुराने गणराज्यों के व्यापार संबंध टूटे, जबकि नए संबंध पूरी तरह विकसित नहीं हुए थे।
5. निजी उद्यम के अवसर बने, लेकिन अनुभव ने दिखाया कि सुधारों के साथ मजबूत संस्थाएँ, सामाजिक सुरक्षा और उचित क्रम जरूरी हैं। देशों में परिणाम अलग-अलग रहे।

प्रश्न 4. सोवियत सुधार संघ को क्यों नहीं बचा सके?

उत्तर:

1. सुधार शुरू होने तक आर्थिक और राजनीतिक कमजोरियाँ गंभीर हो चुकी थीं।
2. खुलेपन से भ्रष्टाचार, विशेषाधिकार और वस्तुओं की कमी पर सार्वजनिक चर्चा बढ़ी।
3. पुराने आर्थिक नियंत्रण कमजोर हुए, पर तुरंत स्थिर विकल्प नहीं बना; जीवन स्तर जल्दी नहीं सुधरा।
4. राष्ट्रवादी आंदोलनों ने नए अवसरों का उपयोग अधिक स्वायत्तता और स्वतंत्रता के लिए किया।
5. रूढ़िवादी विरोध तथा असफल तख्तापलट ने नेतृत्व कमजोर किया। न पुरानी व्यवस्था लौट सकी, न सभी गणराज्यों को स्वीकार्य नया संघ बन सका।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

क. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. सोवियत संघ किस वर्ष विघटित हुआ?

(क) 1991 (ख) 2001
(ग) 1962 (घ) 1945

2. 1985 में सोवियत सुधार किसने शुरू किए?

(क) जोसेफ स्टालिन (ख) व्लादिमीर लेनिन
(ग) मिखाइल गोर्बाचेव (घ) निकिता ख्रुश्चेव

3. सोवियत अर्थव्यवस्था मुख्यतः किस पर आधारित थी?

(क) केंद्रीय नियोजन (ख) औपनिवेशिक व्यापार
(ग) केवल वस्तु विनिमय (घ) अनियंत्रित निजी स्वामित्व

4. बर्लिन की दीवार कब गिरी?

(क) 1989 (ख) 1955
(ग) 1999 (घ) 1917

5. शॉक थेरेपी किस ओर तेज बदलाव का प्रयास थी?

(क) केवल सैन्य गठबंधन (ख) पूर्ण आर्थिक अलगाव
(ग) सामंती शासन (घ) बाजार अर्थव्यवस्था

6. सोवियत राजनीति पर किस दल का प्रभुत्व था?

(क) रिपब्लिकन दल (ख) लेबर दल
(ग) साम्यवादी दल (घ) कंजर्वेटिव दल

7. अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सोवियत संघ का प्रमुख उत्तराधिकारी कौन बना?

(क) रोमानिया (ख) पोलैंड
(ग) रूस (घ) हंगरी

8. अधिक खुलेपन के लिए कौन-सा शब्द प्रयोग हुआ?

(क) निजीकरण (ख) पेरेस्त्रोइका

(ग) ग्लासनोस्त (घ) दो ध्रुवीयता

उत्तर: 1. क 2. ग 3. क 4. क 5. घ 6. ग 7. ग 8. ग

ख. रिक्त स्थान भरिए

1. सोवियत संघ का विघटन _____ में हुआ।
2. आर्थिक पुनर्गठन को _____ कहा गया।
3. सोवियत नेतृत्व वाला सैन्य गठबंधन _____ संधि था।
4. बर्लिन की दीवार _____ में गिरी।
5. कई पूर्व सोवियत गणराज्यों ने 1991 में _____ बनाया।

उत्तर: 1. 1991 2. पेरेस्त्रोइका 3. वारसा 4. 1989 5. CIS

ग. सत्य / असत्य

1. सोवियत व्यवस्था में निर्बाध बहुदलीय प्रतिस्पर्धा थी।
2. राष्ट्रवादी आंदोलनों ने सोवियत विघटन में भूमिका निभाई।
3. शॉक थेरेपी ने हर जगह केंद्रीय नियोजन पुनः स्थापित किया।
4. रूस भारत का महत्त्वपूर्ण सहयोगी बना रहा।
5. दो ध्रुवीयता समाप्त होने से सभी अंतरराष्ट्रीय संघर्ष समाप्त हो गए।

उत्तर: 1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य 5. असत्य

घ. एक शब्द / पद में उत्तर

1. सोवियत संघ के अंतिम नेता का नाम लिखिए।
2. सोवियत विघटन से जुड़े रूसी नेता का नाम लिखिए।
3. किस शहर की दीवार शीतयुद्ध विभाजन का प्रतीक थी?
4. तेज बाजार परिवर्तन की नीति क्या कहलाती थी?
5. सोवियत आर्थिक व्यवस्था की प्रमुख विचारधारा लिखिए।

उत्तर: 1. मिखाइल गोर्बाचेव 2. बोरिस येल्तसिन 3. बर्लिन 4. शॉक थेरेपी 5. समाजवाद

ङ. सही जोड़ी मिलाइए

स्तंभ अ	स्तंभ ब
1. ग्लासनोस्त	क. सोवियत नेतृत्व वाला सैन्य गठबंधन
2. पेरेस्त्रोइका	ख. दो प्रमुख शक्ति गुट
3. वारसा संधि	ग. अधिक खुलापन
4. CIS	घ. पुनर्गठन
5. दो ध्रुवीयता	ङ. पूर्व सोवियत गणराज्यों में सहयोग

उत्तर: 1-ग; 2-घ; 3-क; 4-ङ; 5-ख

THEBOARDSTUDY.COM